Page No.:
Date:

HISTORY (H)
B.A - III
PART - 'B'
PAPER - IVth

HISTORY OF INDIA (1550-1750)
UNIT - IIH. Urban centres
Administration of cities and Town.

प्रांतीय एवं केन्द्रिय प्रशासन

⇒ जिला मुगल प्रशासन :-
प्रत्येक सूबा कई जिलों में बँटा होता था। जिला को सरकार कहा जाता था।

⇒ फौजदार :
जिले का सैनिक अधिकारी होता था जिसके अधिन सैनिकों का एक दल होता था। यह जिले में शांति और और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता था।

⇒ अमलगुजार :-
यह जिला स्तर पर राजस्व अधिकारी होता था जो किसानों को कर्ज बांटने तथा वसूल रकम को शाही खजाने में जमा करना होता था।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

⇒ वितिकची :-
यह अमलगुजार का सहायक होता था जो कृषि संबंधी रिकार्ड और आंकड़े रखता था।

शिकदार –
यह परगना का मुख्य अधिकारी होता था।

- फोतदार –
यह परगने का खंजाँची होता था।

⇒ सैन्य प्रशासन :
बादशाह प्रधान सेनापति होता था। सेना के प्रायः तीन रूप थे :-

1. मनसबदारों की फौजें,
2. अहदी वे सिपाही होते थे जिन्हें मनसब में नहीं रखा गया है
3. राजपूतों की सहायक सेनाएं।

ये सभी सेनाएं युद्ध में बाद में बादशाह की ओर से लड़ती थीं।

⇒ सेना के पाँच विभाग थे –
(i) पैदल ।
ii. ~~घुड़स~~ घुड़सवार।
iii हाथी
iv तोपखाना में बड़ी भारी तोपें भी थी जिन्हे जिन्सी कहा जाता

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date:

था।

जबकि दस्ती तोपखाने में हल्की तोपें और बंदूकें होती थी।

5. जल सेना – मुगलों के पास नियमित जलसेना नहीं होती थी। पश्चिमी तट की रक्षा का भार अबीसीनियनों और जंजीरा के सिद्दियों को दे रखे थे।

=

DR. UDAY KUMAR.
DR. L. K. V. D. College Tajpur

Scanned with CamScanner